OFFICE OF THE PRINCIPAL, SRI BALDEV RAM MIRDHA GOVT. COLLEGE, NAGAUR

No.:GCN/

Date: 18/8/22

This is certified that following conference was organized by Sri Baldev Ram Mirdha Govt. College, Nagaur (Raj.)

Name of the Conference – National workshop on Economic Importance, Commercial Aspects of Geographical Indication of Nagauri Kasuri Methi

Date – 11-03-2020

No. of Participants - 50

Resource Persons :

1. Dr. RL Godara, VC VMOU, Kota (Raj.)
2. Dr. BR Choudhary, VC Agriculture University, Jodhpur
3. Dr. Manu Sikarwar, Project Director, DST
4. Pankaj Kumar, DST, Jaipur
5. Dinesh Kumar Yadav, District Collector, Nagaur

Other dignatories

1. Dr. SL Jakhar (Patron)
2. Dr. Prem Singh Bugasara

Principal
SBRM Govt. College, Nagaur

Scanned by CamScanner

कार्यक्रम विवरण

पंजीकरण – प्रातः 10 बजे

प्रथम सत्र – उद्घाटन सत्र
(11.00 से 12.00 बजे)

द्वितीय सत्र – पत्र वाचन एवं तकनीकी सत्र
(12.15 से 02.00 बजे)

तृतीय सत्र – समापन सत्र
(3.00 से 5.00 बजे)

संरक्षक

डॉ. शंकरलाल जाखड़ (प्राचार्य)
श्री बलदेव राम मिर्धा
राजकीय महाविद्यालय, नागौर (राज.) 341001

आयोजन सचिव

डॉ. प्रेमसिंह बुगासरा
(एसोसिएट प्रोफेसर–प्राणीशास्त्र एवं एन.सी.सी. प्रभारी)

आयोजन सह-सचिव

डॉ. प्रकाश नारायण, सहायक–आचार्य (वनस्पतिशास्त्र–विभाग)
डॉ. हेमाराम धुंधवाल, सहायक–आचार्य (भूगोल–विभाग)

महाविद्यालय परामर्शदाता समिति

डॉ. आर.एस. ईनाणियां
डॉ. एम.एस. राठौड़
डॉ. मनीष जोशी
डॉ. हरसुख छरंग
डॉ. रणजीत पूनियां
डॉ. अंजू शर्मा

महाविद्यालय आयोजन समिति

डॉ. पूर्णिमा कल्याल, सह–आचार्य
श्री. सुरेन्द्र कागट, सहायक–आचार्य
डॉ. अंचल मीणा, सहायक–आचार्य
श्री सुखराज पुनड़, सहायक–आचार्य
डॉ. दिलीप पंवार, सहायक–आचार्य
डॉ. विजयलक्ष्मी जैन, सह–आचार्य
डॉ. ओ. पी. दवे, सह–आचार्य
डॉ. आर के माहेश्वरी, सह–आचार्य
श्री मैक प्रकाश नवल, सहायक–आचार्य
श्रीमती पूर्णिमा झा, सहायक–आचार्य
श्री भूपेश, सहायक–आचार्य
डॉ. सरोज चौधरी, सहायक–आचार्य
श्री अरविन्द गौड़, सहायक–आचार्य
श्री सहीराम दिहनाई, सहायक–आचार्य
श्री गणेश नारायण मूंदड़ा, सहायक–आचार्य
श्री गजानन्द शर्मा, सहायक–आचार्य
श्रीमती सुलोचना शर्मा, सहायक–आचार्य
श्री कुम्भाराम महला, सहायक–आचार्य
श्री अशोक कुमार जांगिड़, सहायक–आचार्य
डॉ. ईश्वर सिंह, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. मंजू कुमारी, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. निशा चौधरी, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. हंसा लाखारा, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. विवेक पावरिया, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. नेमाराम, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. रेखा सोडानी, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. शक्तिसिंह भाटी, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. रोहिताश बाजिया, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. राजदीप मुंदियाडा, सहायक–आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर

प्रशासनिक सहयोगी

उपनिदेशक, कृषि विस्तार, जिला परिषद, नागौर
जिला उद्योग अधिकारी, नागौर
प्रबन्धक, आर.एस.एस.सी., नागौर
उपनिदेशक, आत्मा परियोजना, नागौर
प्रबन्धक, एमडीएच, मसाला प्रतिष्ठान, नागौर

NAAC Grade B+

National Workshop

on

Economic Importance, Commercial aspects and Geographical Indication of 'Nagauri Kasuri Methi'

11 March, 2020

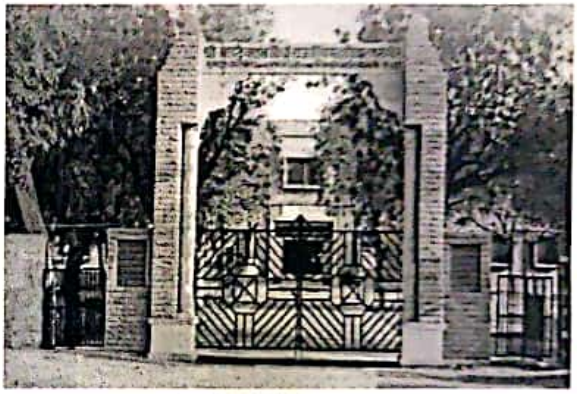

सेवा में .....

.....

.....

प्रायोजक :–

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
राजस्थान–सरकार, जयपुर

आयोजक :–

श्री बलदेव राम मिर्धा
राजकीय महाविद्यालय, नागौर (राज.) 341001
✆ 01582 - 240853
Email - sbrmprincipal@gmail.com
Website - hte.rajasthan.gov.in/college/gcnagaur/

Scanned by CamScanner

परिचय एवं उद्देश्य

नागौरी कसूरी पान मैथी ताऊसर, मूण्डवा, कुचेरा, रूण, सिराधना, खजवाना एवं इसके आसपास के क्षेत्र में उत्पादित होती है। यह मैथी महक एवं औषधीय गुणों से भरपूर है। यह नागौर जिले के विशेष भौगोलिक क्षेत्र में उत्पादित हो रही मैथी की विशेष प्रकार की प्रजाति है जिसमें सारे मसालों के उपयुक्त एवं आवश्यक घटक उपस्थित हैं। इसकी गुणवत्ता एवं उपयोगिता ही सर्वोतम पहचान है, इसलिए इस उत्पाद को भौगोलिक संकेतन (G.I. Tag) की सूची में शामिल होना चाहिए। इसके लिए क्षेत्र विशेष में जागरूकता, भौगोलिक संकेतन की महत्ता, इसके व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक महत्ता व बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में जानकारी देने हेतु इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन DST के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यशाला से संबंधित महत्वपूर्ण उपविषय–

कार्यशाला में विचारणीय बिन्दु

- भौगोलिक संकेतन (G.I. Tag) का परिचय
- भौगोलिक संकेतन (G.I. Tag) का महत्त्व
- भौगोलिक संकेतन (G.I. Tag) का आवेदन की प्रक्रिया
- नागौरी कसूरी मैथी की विशेषताएँ
- नागौरी कसूरी मैथी का व्यवसायिक महत्त्व
- नागौरी कसूरी मैथी का आर्थिक महत्त्व
- नागौरी कसूरी मैथी की सम्पूर्ण उत्पादन प्रक्रिया
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार (IPR) के बारे में

नागौर : एक विहंगम दृष्टि

थार रेगिस्तान के उत्तर पश्चिमी भाग में स्थित नागौर का ऐतिहासिक महत्व है। जोधपुर–अजमेर–बीकानेर त्रिकोण के मध्य स्थित नागौर को महाभारत काल से ही अहिछत्रपुर के नाम से जाना जाता रहा है। राजनीति के विकेन्द्रीकरण हेतु स्थापित पंचायती राज की स्थापना का गौरव भी नागौर के नाम रहा है। विश्व प्रसिद्ध पशु मेले, हैण्ड टूल्स उद्योग और मसाला उत्पादन में कृषि प्रधान जिला नागौर परिचय का मोहताज नहीं है। नागौर जिला सूफी संत हमीदुदीन नागौरी, वीर तेजाजी, जाम्भोजी महाराज, भक्त शिरोमणी मीरां बाई, करमाबाई, वीरवर अमरसिंह राठौड़, कवि अबुल फजल, संत हरिदास निरंजनी जैसी विलक्षण हस्तियों के जन्मस्थली के रूप में जाना जाता है। नागौर का प्राचीन किला मूर्त रूप में वीरता की गाथा प्रदर्शित करता है। पर्यटन की दृष्टि से विदेशी सैलानियों एवं फिल्म निर्माताओं के लिए भी नागौर आकर्षण का केन्द्र है।

श्री बी.आर. मिर्धा राजकीय महाविद्यालय, नागौर : एक परिचय

महाविद्यालय का शिलान्यास 24 जुलाई, 1968 को हुआ। नागौर नागरिक संघ कलकत्ता, मुम्बई व हैदराबाद के सहयोग से महाविद्यालय भवन का निर्माण हुआ। 28 जनवरी, 1986 को राजकीय महाविद्यालय, नागौर का नामकरण किसानों के मसीहा श्री बलेदव राम मिर्धा के नाम पर किया गया। महाविद्यालय में विज्ञान, वाणिज्य व कला तीनों संकायों में स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में 3797 नियमित विद्यार्थी अध्ययनरत है। अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त महाविद्यालय में खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., युवा विकास केन्द्र व साहित्यिक प्रकोष्ठ द्वारा छात्रहित में स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने इन गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महाविद्यालय द्वारा प्रवर्तित 'ऑपरेशन–रोहिड़ा' अभियान सम्पूर्ण राजस्थान में विशेष पहचान बना चुका है।

शोध–पत्र के संदर्भ में

सारांश 300 शब्दों में एवं पूर्ण पत्र 2500 शब्दों में आमंत्रित किये जाते हैं। शोध–पत्र महाविद्यालय के मेल पते email : sbrmprincipal@gmail.com पर तथा हार्ड कॉपी कार्यशाला दिवस पर प्रस्तुत करनी है। शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण दिनांक 11 मार्च, 2020 को तकनीकी सत्र में होगा।

राष्ट्रीय परामर्शदाता समिति

प्रो. बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि वि.वि., जोधपुर
प्रो. आर.एल. गोदारा, कुलपति, वर्द्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय., कोटा
डॉ. गोपाल लाल, निदेशक, राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, तबीजी, अजमेर
प्रो. बलराज सिंह, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
डॉ. बी.एल. सैनी, निदेशक, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
डॉ. मनु सिकरवार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जयपुर
डॉ. अभिषेक किलक, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जयपुर
श्री भोजराज सारस्वत, सदस्य, राष्ट्रीय मसाला बोर्ड, नई–दिल्ली
डॉ. एम.के. पूनियां, डीन, कृषि महाविद्यालय, नागौर
प्रो. मिलाप पूनियां, जे.एन.यू., दिल्ली
डॉ. पी.सी. माली, उपाचार्य, महाराजा कॉलेज, जयपुर
प्रो. अनिल कुमार छगांनी, एम.जी.एस.यू., बीकानेर
डॉ. प्रतापसिंह, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
प्रो. भानाराम, जे.एन.वी.यू, जोधपुर
प्रो. सुभाष शर्मा, एम.डी.एस.यू., वि.वि., अजमेर
प्रो. अरविन्द पारीक, एम.डी.एस.यू., वि.वि., अजमेर
डॉ. सुरेश कुमार, सी.आर.एम. जाट कॉलेज, हिसार
डॉ. सुभाष पहाड़िया, राजकीय महाविद्यालय, लालसोट
डॉ. विनोद कुमारी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. मदन मोहन महावर, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर
डॉ. हेमन्त पारीक, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर
डॉ. समीर शर्मा, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर
डॉ. जे.बी खान, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
डॉ. उम्मेदसिंह, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
डॉ. बी.एल. मेहरा, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
डॉ. केशर देव, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
डॉ. अनिल दुलार, एम.जी.एस.यू., बीकानेर
डॉ. लीला कौर, एम.जी.एस.यू., बीकानेर
डॉ. राजाराम घोयल, एम.जी.एस.यू., बीकानेर
डॉ. जे.डी. सोनी, राजकीय कला महाविद्यालय, सीकर
डॉ. अख्तर खान, वर्द्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय., कोटा
डॉ. ज्ञानसिंह, जे.एन.वी.यू, जोधपुर
डॉ. गेगाराम, जे.एन.वी.यू, जोधपुर
डॉ. हीराराम, जे.एन.वी.यू, जोधपुर
डॉ. भगवानाराम, राजकीय महाविद्यालय, सिरोही
डॉ. अमरसिंह, राजकीय महाविद्यालय, नोहर
डॉ. राजेश यादव, सुबोध कॉलेज, जयपुर
डॉ. बी.एल. शर्मा, स्टैनी मेमोरियल कॉलेज, जयपुर
डॉ. अमित कोटिया, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. प्रवीण, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. के.एस. राठौड़, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. मुकेश शर्मा, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

Scanned by CamScanner

कार्यालय, प्राचार्य श्री बी.आर.मिर्धा राजकीय महाविद्यालय, नागौर

राष्ट्रीय कार्यशाला– 11 मार्च, 2020

(प्रायोजक : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राज.–जयपुर)

National Workshop on

Economic Importance, Commercial aspects and Geographical Indication of "NAGAURI (KASURI) METHI"

राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट

श्री बी.आर. मिर्धा राजकीय महाविद्यालय, नागौर के सभागार में आज दिनांक 11.03.2020 को "नागौरी मैथी आर्थिक उपादेयता, व्यावसायिक पहलू और भौगोलिक संकेतन" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन तीन सत्रों किया गया, जिसका कार्यक्रम विवरण निम्न प्रकार है :–

कार्यक्रम विवरण

पंजीकरण एवं अल्पाहार–प्रातः 10 बजे से

प्रथम सत्र (11 से 12 बजे)

1. दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती जी का माल्यार्पण
2. अतिथियां का स्वागत
3. अतिथि एवं कार्यशाला परिचय–आयोजन सचिव द्वारा
4. मुख्य वक्ता व विशिष्ट अतिथि द्वारा उद्‌बोधन
5. मुख्य अतिथि द्वारा उद्‌बोधन
6. सत्र अध्यक्ष का उद्‌बोधन
7. प्राचार्य द्वारा आभार

चाय – 12.00 से 12.15 बजे तक

द्वितीय सत्र –तकनीकी सत्र (12.15 से 02.00 बजे तक)

1. अतिथियों का परिचय
2. अतिथियां का स्वागत
3. शोध पत्र वाचन एवं विषय विशेषज्ञों की टिप्पणियां
4. पैनल मोडरेटर द्वारा सारांश
5. किसानों एवं व्यापारियों के अनुभव

भोजन– 2.00 से 3.00 बजे तक

तृतीय सत्र –समापन सत्र (3.00 से 5.00 बजे तक)

1. अतिथियों का परिचय
2. अतिथियों का स्वागत
3. मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि द्वारा उद्‌बोधन
4. विशिष्ट अतिथि द्वारा संक्षिप्त उद्‌बोधन
5. अध्यक्ष एवं प्राचार्य द्वारा उद्‌बोधन एवं आभार प्रदर्शन
6. धन्यवाद एवं आभार प्रदर्शन – आयोजन सचिव
7. राष्ट्रगान

Scanned by CamScanner

प्रथम सत्र

स्थानीय महाविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्र कार्यशाला में जिला कलक्टर (नागौर), कोटा खुला और जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सहित अ विश्वविद्यालय और महाविद्यालय से आए प्रोफेसर, शोध निर्देशक, शोधार्थियों और अन्य प्रतिभागियों ने सम्बंधित वि पर विचार व्यक्त किए।

1. आयोजन सचिव कैप्टन (डॉ.) **प्रेमसिंह बुगासरा** ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा नागौरी मैथी के भौगोलिक संकेतन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाने हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त हुई इस हेतु दिनांक 11.03.2020 को एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान दिल्ली, दमन व हरियाणा राज्य के शिक्षाविद् भाग ले रहे हैं। इस कार्यशाला में नागौरी मैथी को भोगोलिक संके प्रदान करवाने हेतु जिला प्रशासन एवं व्यापारियों, किसानों का सहयोग लेकर जागरूक किया जायेगा जिससे नाग मैथी देश के साथ विदेशों में भी अपनी जी.आई. टैग के साथ प्रसिद्धी पा सके।

2. **नागौर के जिला कलक्टर श्री दिनेश कुमार यादव** ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कसूरी मैथी के रूप में देश भर प्रसिद्ध नागौरी पान मैथी के उत्पादन और विपणन व्यवस्था को सुचारू रूप देने के लिए उन्नत किस्म के बीज, उ तकनीक, स्थानीय स्तर पर मैथी मंडी की आवश्यकता और इस सम्बंध में जिला प्रशासन के प्रयासों की जानकारी द

3. **कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी** ने नागौरी पान मैथी के जी.आई. टैग के लिए किये रहे प्रयासों की सराहना करते हुए, रसायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव बताए। सन् 1943–44 के बंगाल अकाल का उल्ल करते हुए कुलपति डॉ. चौधरी ने आजादी के बाद देश में हुए कृषि सुधार और खाद्यान आत्मनिर्भरता में व विश्वविद्यालयों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। मारवाड के विशेष भौगोलिक परिवेश से अभिन्न जुड़ाव के का ही नागौर कृषि महाविद्यालय को जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किया गया है।

4. **कोटा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.एल. गोदारा** ने पान मैथी के मसाला और औषधीय महत्व उल्लेख करते हुए स्थानीय परिवेश और समस्याओं से सम्बंधित शोध कार्य को वास्तविक मायने में सार्थक बता इनके अनुसार आर्थिक पहलू के साथ नैतिकता का उच्च स्तर ही कॉमर्स और ट्रेड के मूलभूत अन्तर को तय करता कृपाराम की ढाणी (सीकर) से बोस्टन (अमेरिका) तक के अपने विद्यार्थी और शिक्षक जीवन के अनुभव साझा करते कुलपति डॉ. गोदारा ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और संवाद को व्यक्तित्व विकास का मुख्य आधार बताकार स्वयंप विद्यार्थियों के लिए पत्राचार (खुला वि.वि.) शिक्षा को प्रतिकूल परिस्थितियों में ज्ञानार्जन का माध्यम बताया। अ उदबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों और श्रोताओं को शायरी के अंदाज में संघर्ष की प्रेरणा दी –

"नजर – नजर में उतरना कमाल होता है,

नफ़स–नफस में उतरना कमाल होता है,
जलती हुई चिता पर बैठकर,
दीपक जलाना कमाल होता है।"

Scanned by CamScanner

डी.एस.टी. जयपुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. मनु सिकरवार ने राजस्थान से रजिस्टर्ड 11 जी.आई. उत्पाद जानकारी देते हुए किसी ब्राण्ड को विश्वस्तरीय पहचान के लिए भौगोलिक संकेतन (जी.आई.) की उपादेयता सम्बंधित रजिस्ट्रेशन में विभाग द्वारा तकनीकी और वित्तीय समर्थन की प्रक्रिया समझाई।

6. डी.एस.टी. जयपुर के श्री पंकज कुमार ने पी.पी.टी. की सहायता से नागौरी मैथी को भौगोलिक संकेतन प्रदान ह हेतु आवश्यक शर्तें, आवेदन प्रक्रिया एवं दस्तावेजों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

7. मसाला बोर्ड के सदस्य भोजराज सारस्वत ने सन् 2019 में नागौरी पान मैथी के कृषि जिन्स के रूप में पंजीकरण बाद उत्पादन, विपणन में सुधार और आर्थिक उपादेयता में वृद्धि के लिए नागौर मंडी और व्यापारिक बोर्ड के प्रय की जानकारी देते हुए जी.आई. टैग के 52 मसालों के बाद 53वां नम्बर नागौरी मैथी का होने की उम्मीद जताई।

8. युवा व्यवसायी और कम्पोस्ट फर्टिलाइजर के उत्पादक मयूर लालवानी ने ऑर्गेनिक उत्पाद का महत्व बताकर में नवाचार करने वाले शोधार्थियों, व्यापारियों और उत्पादक किसानों के मध्य समन्वय में कार्यशाला की सार्थ बताई।

9. मांगीलाल जी (मैथी व्यावसायी) ने रासायनिक उत्पाद के बजाय जैविक साधनों के उपयोग की प्रेरणा दी तथा उत्पादन एवं विपणन के बारे में किसानों एवं आगन्तुकों को जानकारी प्रदान की।

द्वितीय सत्र – तकनीकी प्रस्तुतिकरण

इस सत्र में विभिन्न शिक्षाविदों, शोधार्थियों ने नागौरी मैथी के विभिन्न पहलुओं पर शोध पत्रों का पी.पी.टी. के माध्यम वाचन किया जिनमें विषय विशेषज्ञों के प्रमुख शोध पत्र निम्न प्रकार है :–

1. श्री विकास पावड़िया, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी (कसूरी) मैथी का आर्थिक म एवं विपणन में आने वाली बाधाएं।
2. डॉ. राजदीप मुंदियाडा, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी मैथी की किस्में एवं उत्प प्रक्रिया।
3. डॉ. मंजू कुमारी, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी मैथी में समन्वित रोग प्रबंधन
4. डॉ. शक्तिसिंह, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी मैथी में निमेटोड संक्रमण
5. डॉ. महेश कुमार पूनिया, सह आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी मैथी के विशेष गुण
6. डॉ. नेमाराम, सहायक आचार्य, कृषि महाविद्यालय, नागौर – नागौरी मैथी में समन्वित कीट प्रबंधन
7. डॉ. हेमाराम, सहायक आचार्य, श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर – नागौरी मैथी उद्योग दशा एवं दिशा
8. डॉ. प्रकाश नारायण, सहायक आचार्य, श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर – नागौरी मैथी का पौष उपयोगिता एवं औषधीय महत्व।
9. डॉ. आचल मीणा, सहायक आचार्य, श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर – नागौर की पहचान, कसूरी मैथी

Scanned by CamScanner

10. श्री अरविन्द गौड़, सहायक आचार्य, श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर – नागौरी मैथी के व्यावसायिक पहलू एवं लाभकारी गुण।

11. किसान व व्यापारियों के साथ संवाद।

इसके अलावा इस कार्यशाला के इस सत्र में विभिन्न शिक्षाविदों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण किया।

इस सत्र में पैनल मॉडरेटर के रूप में प्रो. अनिल कुमार छंगाणी, प्रो. भानाराम गाडी, डॉ. महेश कुमार पूनिया और डॉ. प्रताप सिंह ने सत्र का संचालन किया। कम्प्यूटर प्रभारी मोहम्मद आरीफ गौरी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से शोध विषयक पी.पी.टी. का प्रदर्शन किया।

तृतीय सत्र – समापन सत्र

समापन सत्र में मुख्य वक्ता बीकानेर विश्वविद्यालय के डॉ. अनिल कुमार दुलार ने पान मैथी के उत्पति स्थल और अनुकूल पर्यावरणीय दशाओं की जानकारी दी। डॉ. भंवरुराम जयपाल, वयोवृद्ध समाजसेवी डॉ. रामकरण डूकिया और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता पवन काला ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान उपस्थित किसानों ने पान मैथी के उत्पादन के सम्बंध में अपने अनुभव, समस्याएं और नवाचार की जानकारी साझा करते हुए विषय–विशेषज्ञों से सीधा संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

प्राचार्य डॉ. शंकरलाल जाखड़ ने कृषि और ग्रामीण जीवन से सम्बंधित राष्ट्रीय कार्यशाला को एक अभिनव प्रयोग बताते हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन प्रो. सुरेन्द्र कागट और प्रो. भूपेश बाजिया ने किया। डॉ. प्रकाश नारायण, डॉ. हेमाराम ने सह संयोजक के रूप में सेवाएं दी। इस कार्यशाला में प्रो. रिछपाल सिंह राठौड़, डॉ. एच.आर. छरंग, डॉ. एम.एस. राठौड़, डॉ. पूर्णिमा कत्याल, डॉ. रणजीत पूनियां, श्री सुखराज पुनड़, डॉ. प्रिया बेनिवाल, डॉ. चतुर्गुण खलदानियां, नरेन्द्र सकलेचा, बलवीर खुड़खुड़िया, रामेश्वर भाटी, रणजीत धौलिया, हनुमान बांगड़ा, परमाराम जाखड़, रामप्रकाश मिर्धा, प्रगतिशील किसान राजेन्द्र चौधरी, रामप्रकाश बिस्सु, ओमप्रकाश डूकिया सहित समस्त संकाय सदस्य, प्रतिभागी व्यवसायी व बौद्धिक वर्ग उपस्थित रहे। प्रो. पूर्णिमा झा के निर्देशन में राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का विधिवत् समापन हुआ।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में राज्य व देश के 90 से अधिक शिक्षाविदों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया इसके अलावा नागौर के मैथी उत्पादन क्षेत्र के किसानों, व्यावसायियों ने भी इस कार्यशाला में भाग लेकर नागौरी मैथी को भौगोलिक संकेतन दिलवाने हेतु सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

विज्ञान एवं प्रौधोगिकी विभाग, राजस्थान सरकार जयपुर के द्वारा प्राप्त वित्तीय सहायता का स्वीकृत मद के अनुसार इस कार्यशाला में व्यय किया गया जिनका उपयोगिता प्रमाण पत्र भिजवाया जा रहा है।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार

(डॉ. प्रेमसिंह बुगासरा)
आयोजन सचिव
श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर

प्राचार्य
(डॉ. शंकरलाल जाखड़)
राजकीय महाविद्यालय, नागौर
श्री बी.आर. मिर्धा राज. महा., नागौर

Scanned by CamScanner

कार्यालय प्राचार्य, श्री बी.आर. मिर्धा राजकीय महाविद्यालय, नागौर

National Workshop "NAGAURI (KASURI) METHI"

नेशनल वर्कशॉप "नागौरी (कसूरी) मैथी"

S.No.	Date	Participant name	Place
1	11.03.2020	Dr. Vikash Pawariya	Sikar
2	11.03.2020	Shri Rameshwar Sangwa	Nagaur
3	11.03.2020	Shri Yashwant Singh	Nagaur
4	11.03.2020	Shri Himta Ram Bhambhu	Nagaur
5	11.03.2020	Dr. Nema Ram	Nagaur
6	11.03.2020	Dr. Manju Kumari	Nagaur
7	11.03.2020	Dr. Mahesh Kumar Pooniya	Kota
8	11.03.2020	Shri. Rajdeep Mudiayara	Jobner
9	11.03.2020	Shri. Shakti Singh Bhati	Aginel
10	11.03.2020	Prof. Anil Kumar Chhagani	Bikaner
11	11.03.2020	Dr. Anil Kumar Dular	Bikaner
12	11.03.2020	Dr. Keshar Dev	Churu
13	11.03.2020	Prof. Bhana Ram Gadi	Jodhpur
14	11.03.2020	Dr. Sangeeta Goyal	Jodhpur
15	11.03.2020	Dr. Bhanwaroo Ram Jaipal	Jodhpur
16	11.03.2020	Dr. Pratap Singh	Bikaner
17	11.03.2020	Dr. Manu Sikarwar	Jaipur
18	11.03.2020	Dr. S.L. Jakhar	Nagaur
19	11.03.2020	Dr. R.S. Enaniya	Nagaur
20	11.03.2020	Dr. H.R. Chharang	Nagaur
21	11.03.2020	Dr. Purnima Katyal	Nagaur
22	11.03.2020	Dr. Anju Sharma	Nagaur
23	11.03.2020	Dr. O.P. Dave	Nagaur
24	11.03.2020	Dr. M.S. Rathore	Nagaur
25	11.03.2020	Dr. Manish Joshi	Nagaur
26	11.03.2020	Dr. Purnima Jha	Nagaur
27	11.03.2020	Dr. R.K. Maheshwari	Nagaur
28	11.03.2020	Sh. Surendra Kagat	Nagaur
29	11.03.2020	Sh. P.S. Bugasara	Nagaur
30	11.03.2020	Dr. Prakash Narayan	Nagaur
31	11.03.2020	Sh. Dilip Panwar	Nagaur
32	11.03.2020	Sh. S.R. Punar	Nagaur
33	11.03.2020	Sh. B.P Naval	Nagaur
34	11.03.2020	Sh. Hema Ram Dhundhwal	Nagaur
35	11.03.2020	Sh. Bhupesh	Nagaur

Scanned with CamScanner

S.No.	Date	Participant name	Place
36	11.03.2020	Dr. Ranjeet Pooniya	Nagaur
37	11.03.2020	Dr. Aanchal Meena	Nagaur
38	11.03.2020	Dr. Saroj K. Fagodia	Nagaur
39	11.03.2020	Sh. Arvind Gaur	Nagaur
40	11.03.2020	Sh. Sahiram Vishnoi	Nagaur
41	11.03.2020	Sh. Kumbha Ram Mahala	Nagaur
42	11.03.2020	Sh. Ganesh Narayan Mundhara	Nagaur
43	11.03.2020	Sh. Gaja Nand Sharma	Nagaur
44	11.03.2020	Sm. Sulochana Sharma	Nagaur
45	11.03.2020	Sh. Ashok Kumar Jangid	Nagaur
46	11.03.2020	Sh. Hadman Ram	Nagaur
47	11.03.2020	Sh. Mohan Ram	Mundwa
48	11.03.2020	Sh. Himta Ram	Alay
49	11.03.2020	Sh. Dinesh Ram	Tausar
50	11.03.2020	Sh. Ram Baksh	Khinwsar

प्राचार्य
डी॰आर॰मिर्धा
राज॰महा॰ नागौर

Scanned with CamScanner

Figure 1 - AUDIENCE AT KASURI METHI CONFERENCE

Figure 2 - GUESTS AT THE CONFERENCE